Complaint Registration - शिकायत पंजीकरण

1. Dist/जिलाः- Police Station/Office थाना/कार्यालय : Police Head Quarter (PHQ)-COMPLAINT BRANCH PHQ Year/वर्षः 2026

2. Complaint No./शिकायत क्रः 2101012600012 Date/दिनांकः Jan 09, 2026

3. Complaint Against (शिकायत विरूद्ध): पुलिस

(a) Day (दिन)

Date from /दिनांक से Time from/समय से: अनुपलब्ध

Date to /दिनांक तक Time period/समय तक: अनुपलब्ध

(b) Information received at Police Station/Office थाना/कार्यालय पर सूचना प्राप्त होने का Date/ दिनांक: Jan 09, 2026

4. Place of Occurence / घटनास्थलः मकान क्रमांक

474, प्रथम तल, मृदुकिशोर कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 18, ग्राम बिंझिया, ह

5. Complainant / Informant /शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ताः

(a) Name/ नाम: Rahul Gupta

(b) Relative / रिश्तेदार का नाम :

(c) Age / उम्र :

(d) Address / पता : katni,कटनी-मध्य प्रदेश

(e) Mobile /Phone No./ मोबाईल / दूरभाष नंबर : 8959342022

(f) Caste/Category/जाति / श्रेणी:

(g) Aadhar No /आधार संख्या : अनुपलब्ध

(I) EMAIL ID / ईमेल आईडी : rg161823@gmail.com

(h) Identification ID / पहचान आईडी : कोई अभिलेख नहीं मिला

6. Details of Non-Complainant(अनावेदक का विवरण) कोई अभिलेख नहीं मिला

7. Details of complaint / शिकायत का विवरण

प्रति

श्री मान थाना प्रभारी महोदय थाना मंडला, जिला मंडला म.प्र.

आवेदक – मन मोहन सिह ब्रांच मैनेजर, स्पदना स्फूर्ति फाइनेंशियल लिमिटेड ब्रांच पता- मकान क्रमांक 474, प्रथम तल, मृदुकिशोर कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 18, ग्राम बिंझिया, होटल आशीर्वाद पैलेस के पास, मडला, जिला मंडला (मध्य प्रदेश) 481661

अनावेदकगण – 1. नीलेश कुमार झरिया ऋण अधिकारी SF0070857 मो. 6260167838 , 6260167838

2. प्रिंस बागारे ऋण अधिकारी SF0092171 मो.- 7806012523, के द्वारा

विषयः- आवेदक के द्वारा श्री मान थाना प्रभारी महोदय थाना मंडला के समक्ष प्रार्थना पत्र इस आशय का प्रस्तुत किया जा रहा है कि समूह की महिलाओं से प्राप्त ऋण की किश्त की धनराशि इकठ्ठा कर साशय स्वयम आर्थिक लाभ अर्जित करने के उदेश्य से धोखाधडी कारित करते हुये

स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंशियल लिमिटेड,कंपनी के धन को कपट ,व बेईमानी पूर्वक संपति का दुर्विनियोग ,व्ययन कर स्वयम के उपयोग हेतु संपरिवर्तन कर,आपराधिक न्यासभंग व छल,कर अमानत में खयानत कर हडप लिये जाने के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराये जाने हेतु ।

महोदय,

1. यह कि, स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंशियल लिमिटेड (CIN 16592 9TG 2003 PLC040648) कंपनी अधिनियम 19956 के तहत निर्मित है जिसका पंजीकृत कार्यालय गैलेक्सी विंग बी 16 बी मंजिल प्लॉटनंबर 01, 34 नंबर, 83/1, नॉलेज सिटी TCIIC रायदुर्गा हैदराबाद तेलंगाना 50081 में स्थित है

2. यह कि स्पंदना स्फूर्ति फाईनेंशियल लिमिटेड भारतीय रिजर्व बैंक के साथ जमा स्वीकार किये बिना एक गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी है और इसे माइक्रो फाइन डेन्स इन्स्ट्रीट्यूट NBFC-MFI केरुप में पंजीकृत किया गया है।

3. यह कि स्पंदना स्फूर्ति फाईनेंशियल लिमिटेड कंपनी अधिनियम 1956 के प्रावधान के अनुसार गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थान के रुप में शामिल किया गया है, जो निर्धन, महिलाओं एवं जरुरतमंद व्यक्तियों को एवं ऐसे व्यक्ति जो कि अपने कार्य शैली पर व्यापार/उद्ययम करना चाहते हैं उन्हें ऋण देकर सहायता करने का कार्य करते हैं।

4. यह कि कंपनी में वर्णित कार्यरत सभी कर्मचारियों के द्वारा समूह की महिलाओं से प्राप्त ऋण की किश्त की धनराशि इकठ्ठा की गई। उस धनराशि को इस सभी लोगो के द्वारा नियमानुसार आनलाइन एप्लीकेशन पर विवरण अपडेट कर कंपनी में जमा कराना था, परन्तु उनके द्वारा इस धनराशि को स्वयं हडप कर लिया गया एवं आर्थिक लाभ अर्जित कर कंपनी को आर्थिक क्षति पहुंचायी गई।

5. यह कि समूह महिलाओं के द्वारा कंपनी की स्थानीय शाखा में उपरोक्त अधिकारियों के द्वारा ऋण की धनराशि जमा न किये जाने की शिकायत की गई जिस पर स्थानीय शाखा में कार्यरत कर्मचारियों के द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इस मामले की जानकारी दी गई। तत्क्रम में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अपनी ऑडिट दल को इस मामले में जांच करने को कहा गया। तदोपरान्त कंपनी के ऑडिट दल के द्वारा लगभग 193430 /- रूपये एक लाख तिरानबे हज़ार चार सौ तीस रुपये के गबन की सूचना/पुष्टि उपरोक्त कर्मचारियों/अधिकारियों के द्वारा अपनी जांच में करना पाया गया। जिसमे से लगभग 55760 /- पचपन हज़ार सात सौ साठ रु कंपनी के द्वारा वसूल किया गया शेष गबन राशि 137670/- " एक लाख सैंतीस हज़ार छह सौ सत्तर " रु जिसे नियम अनुसार बैंक में न जमा करके खुद ही अपने पास रख के फरार हो गया ।

6. यह की सम्बंधित थाने मे आवेदन के साथ अनावेदकगण के द्वारा करित गबन के सम्बंध मे CLV रिपोर्ट जोकि अनावेदकग़ण के अपराधो कि पुष्टी करता है, जिसमे यह भी स्पष्ट वर्णित है कि अनावेदकगणो के द्वारा जिन निर्धन, जरुरतमंद महिलाओं के साथ आपराधिक न्यासभंग व छल,कर अमानत में खयानत कर हडप लिया है, व अनावेदकगणो के KYC दस्तावेज़, भी संल्ग्न है ।

7. यह कि 1 . नीलेश कुमार झरिया के द्वारा कंपनी, के साथ धोखाधड़ी, वह अवैध रूप से छल करके 94220 रु. गमन किया गया था, जिसमें से 34960 रु. अनावेदक के द्वारा कंपनी को भुगतान भी किया गया जिसके बाद मात्र 59260 रु. कंपनी के अभी तक लंबित है। कुल धोखाधड़ी की लंबित राशि 28206 रु. छल करके गमन किया था, 2 प्रिंस बागारे के द्वारा कंपनी, के साथ धोखाधड़ी, वह अवैध रूप से छल करके 99210 रु. गमन किया गया था, जिसमें से 20800 रु. अनावेदक के द्वारा कंपनी को भुगतान भी किया गया जिसके बाद मात्र 204511 रु. कंपनी के अभी तक लंबित है। कुल धोखाधड़ी की लंबित राशि 78410 रु. छल करके गमन किया था।

8.यह कि उक्त अधिकारियों/कर्मचारियों को संस्था का पैसा वापस करने के लिए कहा गया, जिसके पश्चात उक्त अधिकारियों/कर्मचारियों के द्वारा तमाम कोशिशों के बावजूद इन लोगों ने संस्था के जो अन्य कर्मचारी थे, उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया तथा धनराशि वापस करने से इंकार कर दिया।

9.यह कि प्रकरण में कार्यवाही न होने के कारण कंपनी के कर्मचारियों का मनोबल गिरा हुआ है एवं उक्त अपराधियों पर कार्यवाही न होने के कारण वे समाज में खुले घूम रहे हैं।

10.यह प्रकरण मात्र कंपनी के साथ धोखाधडी से आर्थिक लाभ अर्जित कर कंपनी को आर्थिक क्षति पहुंचाने तक सीमित नहीं है वरन यह अपराध उन निर्धन, निर्बल महिलाओं एवं व्यक्तियों के विरुध है जो कि किसी प्रकार ऋण प्राप्त कर अपनी रोजी रोटी कमा कर स्वयम एवं अपने परिवार का भरण पोषण करने का प्रयास कर रहे हैं।

11.यह प्रकरण निर्धन व्यक्तियों की जमा पूंजी को हडपने के साथ फाइनेंशियल सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी के कार्यों में अवरोध उत्पन्न करने से संबंधित है, जिसका प्रभाव वृहत्त जनहित के प्रतिकूल होगा एवं ऐसे प्रकरणों में पुलिस के द्वारा त्वरित रुप से कार्यवाही किये जाने के निर्देश केन्द्र एवं राज्य व सरकार से लगातार दिये जाते हैं।

प्रार्थना

अतः प्रकरण की गंभीरता एवं संवेदनशीलता के दृष्टिगत श्री मान जी से प्रार्थना है कि आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र पर त्वरित संज्ञान लेते हुये जल्द से जल्द अपराधियों के विरुद्ध त्वरित रुप से भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने हेतु संबंधित को निर्देशित करने का कष्ट करे, जिससे फाइनेंशियल कंपनी का उसका धन वापस मिल सके और उक्त अपराधियों को उनके अपराधों का दण्ड मिल सके कृपा जो न्याय हित मे परम आवश्यक है ।

धन्यवाद

दिनांक-

प्रार्थी,

मन मोहन सिह ब्रंच मैनेजर मो.

9685251077

Signature of Complainant / Informant(शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता**)**

Name / नाम - Rahul Gupta

हस्ताक्षर शिकायतकर्ता